NEWS CLIPPING: 22.05.2020

PUNJAB KESARI

'किसानों को इनोवेटिव समाधान देने वाली परियोजनाओं को मिलेगा सरकारी सहयोग'

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय में *आत्मनिर्भर भारत* हैकाथॉन प्रतियोगिता का शुरू

वेबिनार में विशेषज्ञों ने कहा: कोरोना संकट ने स्टार्ट-अप के लिए उत्पन्न किए है नए अवसर, फायदा उठाएं युवा

फरीदाबाद, 21 मई (पूजा शर्मा): हरियाणा उच्च शिक्षा तथा तकनीकी शिक्षा विभाग के महानिदेशक श्री अजीत बालाजी जोशी ने युवा इंजीनियरों और तकनीकीविदों से आग्रह किया है कि वे सरकार और प्राथमिक क्षेत्र, विशेषकर कृषि को कोरोना महामारी संकट से निपटने के लिए नवीन समाधान प्रदान करें। उन्होंने विद्यार्थियों की ऐसी समाधान आधारित परियोजना के लिए सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान करवाने का आश्वासन भी दिया।

महानिदेशक जोशी जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद की इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय आत्मनिर्भर भारत - हैकाथॉन प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर कोरोना महामारी के उपरांत स्टार्ट-अप अवसरों को लेकर वेबिनार को संबोधित कर रहे थे। वेबिनार की अध्यक्षता कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने की। इवेंट का आयोजन विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. लखविन्दर सिंह, डॉ सपना गंभीर, टीईक्यूआईपी परियोजना निदेशक डॉ. विक्रम सिंह और एलुमनाई एवं कॉर्पोरेट अफेयर सेल के निदेशक डॉ. संजीव गोयल की देखरेख में किया जा रहा है।

आत्मनिर्भर भारत हैकाथॉन प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों की 58 टीमों के 200 से ज्यादा विद्यार्थियों ने अपना पंजीकरण कराया है। इस प्रतियोगिता के विजेताओं को रुपये तक प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इस प्रतियोगिता के विजेताओं को तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टीईक्यूआईपी) के अंतर्गत 5 लाख रुपये तक की प्रोत्साहन पुरस्कार राशि सीड मनी/ इंक्यूबेशन प्रोत्साहन के रूप में प्रदान की जाएगी।

महानिदेशक जोशी ने कहा कि कोरोना महामारी में लॉकडाउन के बावजूद, कृषि क्षेत्र ही ऐसा क्षेत्र है जो सुचारू रूप से काम कर रहा है और इस पर बहुत अधिक प्रभाव नहीं है। हालांकि, उन्होंने कृषि क्षेत्र में सप्लाई चेन नेटवर्क को संपर्क-रहित बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यदि कृषि क्षेत्रों और किसानों के लिए ऐसे समाधान बनाए जा सकते हैं, तो ऐसे समाधानों को आगे ले जाने तथा सरकारी स्तर पर लागू करवाने की संभावनाओं पर काम किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को सरकारी और प्राथमिक क्षेत्र के लिए समाधान देने के लिए नवीन प्रौद्योगिकी आधारित स्टार्टअप पर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों के लिए नई प्रौद्योगिकी और स्थानीय स्तर पर नवीन समाधानों की आवश्यकता पर भी चर्चा की। इससे पहले, अपने स्वागतीय भाषण में, कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कोरोना महामारी के उपरांत उत्पन्न स्टार्ट-अप अवसरों का लाभ उठाने के लिए इनोवेशन तथा उद्यमशीलता की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि देश को कोरोना संकट से निकालने के लिए युवा इंजीनियरिंग से बड़ी उ मीदें हैं क्योंकि वे इनोवेटिव स्टार्टअप समाधानों के द्वारा कोरोना महामारी के उपरांत अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे सकते हैं। विनिर्माण उद्योग के विशेषज्ञ डॉ. अशोक कुमार ने कोरोना महामारी के उपरांत विनिर्माण क्षेत्र में पैदा होने वाले नए अवसरों और संभावनाओं के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा आत्मनिर्भर भारत अभियान में घोषित प्रोत्साहन के बाद कंपनियां चीन से अपने विनिर्माण इकाईयों स्थानांतरित करने की संभावनाएं तलाश रही है। उन्होंने विद्यार्थियों को सकारात्मक दृष्टिकोण रखने तथा अपने कौशल विकास पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग पर चर्चा

सिनोप्सिस इंडिया (पी) लिमिटेड के वरिष्ठ स्टाफ इंजीनियर तथा विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र विवेक मित्तल ने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग कैसे भविष्य को बेहतर बनायेगा। अधिक से अधिक कंपनियां मानवीय हस्तक्षेप को कम करने के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाएंगी। इस प्रकार, इन प्रौद्योगिकियों और संबंधित उत्पादों पर काम करने की अधिक संभावनाएं है। सत्र के अंत में कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया तथा विशेषज्ञ वक्ताओं का आभार जताया। वेबिनार के अंत में प्रश्नोतरी सत्र आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने कोरोना महामारी के उपरांत उत्पन्न होने वाले विभिन्न स्टार्ट-अप अवसरों को लेकर विशेषज्ञों से जानकारी हासिल की।

इनोवेशन पर दें ध्यान

हरियाणा सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, और संचार विभाग में संयुक्त मु य सूचना और प्रौद्योगिकी अधिकारी सुनील वट्टल ने महामारी के कारण उभर रही समस्याओं और लोगों के जीवन के दृष्टिकोण और परिवर्तित प्राथमिकताओं पर उनके दीर्घकालिक प्रभाव के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बदलते परिवेश में कम से कम शारीरिक संपर्क और सामाजिक दूरी बनाते हुए कामकाज पर अधिक ध्यान दिया जाएगा। ऐसे समय में, स्टार्टअप को प्रौद्योगिकी और इनोवेशन पर ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि यह ऐसी असामान्य परिस्थितियों में सफलता का उत्तम साधन बनने जा रहा है। पैनल चर्चा के दौरान कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने मानवीय पहलुओं को ध्यान में रखते हुए प्रवासी मजदूरों के समस्या के लिए समाधान देने पर बल दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को वर्तमान तथा भावी समस्याओं के लिए प्रौद्योगिकी आधारित समाधान प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया, और आश्वासन दिया कि ऐसे समाधानों को विश्वविद्यालय द्वारा पूरा समर्थन दिया जाएगा।

NEWS CLIPPING: 22.05.2020

NAVBHARAT TIMES

जेसी बोस यूनिवर्सिटी में हैकाथॉन प्रतियोगिता शुरू

■ **एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद:** जेसी बोस यूनिवर्सिटी की इंस्टिट्यूशन इनोवेशन काउंसिल की तरफ से 3 दिवसीय आत्मनिर्भर भारत-हैकथॉन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। गुरुवार को वेबिनार का आयोजन कर इस प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। हरियाणा उच्च शिक्षा व तकनीकी विभाग के महानिदेशक अजीत बालाजी जोशी ने भी वेबिनार को संबोधित किया। वेबिनार की अध्यक्षता यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने की। आत्मनिर्भर भारत हैकाथॉन प्रतियोगिता में यूनिवर्सिटी व संबंधित कॉलेजों की 58 टीमों के 200 से ज्यादा छात्रों ने अपना पंजीकरण कराया है। इस प्रतियोगिता के विजेताओं को तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम के तहत 5 लाख रुपये तक की प्रोत्साहन पुरस्कार राशि इंक्यूबेशन प्रोत्साहन के रूप में प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. लखविन्दर सिंह, डॉ. सपना गंभीर, डॉ. विक्रम सिंह और डॉ. संजीव गोयल की देखरेख में किया जा रहा है।